



“ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार”

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2023- 24

सूचना

दि. 20/07/2023

वरिष्ठ महाविद्यालय बी. ए. हिंदी विभाग के छात्रों को सूचित किया जाता है कि दि. 31 जुलाई, 2023 को विभाग की ओर से प्रेमचंद जयंती समारोह का आयोजन किया गया है। साथ ही प्रेमचंद: व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर भित्तिपत्रिका निर्माण किया जाने वाला है। जो छात्र भित्तिपत्रिका निर्माण का कार्य करना चाहते हैं वह विभाग प्रमुख डॉ. आरिफ महात एवं डॉ. दीपक तुपे जी से संपर्क करें।



Arif Mahata
डॉ आरिफ महाता

**विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.**



“ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार”
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2023- 24

कार्यक्रम का नाम- प्रेमचंद जयंती समारोह और भित्तिपत्रिका उद्घाटन

कार्यक्रम पत्रिका

उद्घाटन	:मान्यवरों के हाथों पौधे को पानी देकर
संस्था प्रार्थना	:कैसेट द्वारा
स्वागत एवं प्रास्ताविक	:डॉ. आरिफ महात हिंदी विभाग प्रमुख, विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर
भित्तिपत्रिका उद्घाटन	:मान्यवरों के करकमलों से
छात्रों के मंतव्य	: कु. वैष्णवी नंदकुमार सुतार कु. पाशत संजय पारजी कु. आई शिवाजी कांबळे
प्रमुख उपस्थिति	:प्रो. (डॉ.) एकनाथ आळवेकर मराठी विभाग प्रमुख, विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर
अध्यक्ष	:प्राचार्य डॉ. आर. आर. कुंभार प्रधानाचार्य, विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर
आभार	:डॉ. दीपक तुपे
सूत्रसंचालन	:कु. ऋतुजा व्हरांबळे

सोमवार, दि. 31/07/2023

समय: सुबह 9.00 बजे

स्थान: रूम नंबर 13





“ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार”

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2023- 24

कार्यक्रम का नाम- प्रेमचंद जयंती समारोह

दि. 31/07/2023

अ. क्र.	सहभागी का नाम	कक्षा/ पद	हस्ताक्षर
1)	Jainab . R. Shaikh	B. A III	J. Shaikh.
2)	Heena . I. Patwegar	B. A IV	Heena
3)	Mandira . v. Birajdar	B. A - I	M2
4)	SwarnaJail . P. Dawade	B. A - I	Sawade
5)	Deepali Kreshma. Khutale	B. A - I	Khutale
6)	Payal . Sanjay . Parajp	B. A - I	P. Parajp
7)	shradha sanjay Dabhadre	B. A - I	S. S. Dabhadre
8)	Vaishnavi S Powar	B. A. I	Vaishnavi
9)	Vaishnavi S. Ulape	B. A. I	Vaishnavi
10)	Karuna . C. Koli	B. A. I	Koli
11)	Asnwinii . T. Sonzari	B. A. I	Asnwinii
12)	Pratiksha u. Kamble	B. A. I	Pratiksha
13)	Priti vijay Kalokhe	B. A. I	P. V. K.
14)	Rutuja Parsaram Hegad	B. A. I	RPH
15)	Saniya Salim Hudli	B. A. I	SaniyaHudli
16)	om pravin Kadam	B. A. I	Om Pravin
17)	Harshavardhan T. Kamble	B. A. I	Harshavardhan
18)	Prathmesh . M. Auzale	B. A. I	Prathmesh
19)	Sushant Sanjay Kamble	B. A	Sushant
20)	Harsh Rajaram Patil	B. A. I	Harsh
21)	Pratiksha Shivaji Roundare	B. A. I	Pratiksha



Dr. Arif Mahat

विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

प्रेमचंद जयंती के अवसर पर भित्ति पत्रिका का अनावरण करते
प्राचार्य डॉ. आर. आर. कुंभार सर जी

Education for Knowledge, Science and Culture
-Bharambhari D. Arad, Kolhapur

Mission:
To strive hard to realise the vision of Dr. Bapuji
Salunkhe, the founder, i.e. to take education
to the masses and to mould students into
responsible citizens by inculcating a thirst for
knowledge and noble values.



GPS Map Camera

Kolhapur, Maharashtra, India

2130/1, Warna Colony, Tarabai Park, Kolhapur,

Maharashtra 416003, India

Lat 16.712733°

Long 74.238627°

31/07/23 10:30 AM GMT +05:30

Google

विवेकानंद कालिज, कोल्हापूर (स्वायत्त)

हिंदी विभाग

सुराभिवाचन के अंशों का विचार :-

अत्मसन्मान की रक्षा हमारा सबसे पहला धर्म और अधिकार है!

जुवानी आवेसमय होती है, वह क्रोध से आग बन जाती है कंडुवास पातो भी

आश्विन नंदकुमार खरारे

प्रेमचंद जीवन परिचय :-

जन्म :- 31 अक्टूबर 1896

व्यवसाय :- लेखक

सुरा नाम :- धर्मपदस्य

अनकथ्य :- श्रीवासना

प्रचलित नाम :- लुकाकराय

प्रेमचंद :- मुंशी निगम - दुबारा दिया हुआ नाम

माता :- आनंती देवी

पिता :- अनवरथ

शिक्षा :- 1 प्रारंभिक शिक्षा - उर्दू और फ़ारसी कर रही थी

माध्यमिक शिक्षा - क्विन्स - कॉलेज बनास में - मैट्रिक परीक्षा, खैरिदपुर में 1916 में 3 वीं रैंक 1913 में

प्रेमचंद जयंती

वचन :- असुविधाओं, अभावों, कठिनाईओं एवं विपत्तियों युक्त परिवार :- दाही, माता-पिता 3 बच्चे, 2 की आठसिनत सूखी

माता-पिता की छत्र छाया का जंत :- आठ वर्ष की आयु में माता का देहांत। पिता का दूसरा विवाह स्वप्न

विवाह :- 15 वर्ष की आयु में स्वप्न

पुनर्विवाह :- 1909 में गाल विधवा श्रीमती शिकारी देवी, संतान :- अमृतनाथ, कुमला देवी, श्रीपतराय।

नोकरी :- छात्र जीवन में ट्यूशन। बाद में 1800 वार्षिक वेतन पर मिशन स्कूल में अध्यापक, वादों में सब डिप्टी प्रिन्सिपल, इन्स्पेक्टर। इलाहाबाद में मेट्रिक ट्रेनिंग कॉलेज (1909) में प्रिन्सिपल।

वसन्ती प्राध्यापक 1922 में।

कु. स्नेहल परीट, कु. आरआं गुजार्वर

मुंशी प्रेमचंद

प्रेमचंद के उपन्यासों में सुकियां

प्रेमचंद भाषा के धनी थे। परिभाषा, धार, चित्रा और धरना के शुकुन भाषा का प्रयोग उन्होंने अपने उपन्यासों में किया है। भाषा में सुकियों का प्रयोग यंत्रित का विचार ही करता है। साथ ही अमजद के विचार आदर्श व्यक्त करने का कारण भी बनता है।

रंगभूमि

1. जीवन एक खेल है इसे खेलो, तारे ती धबड़ाओं नहीं, जितो तो धर्म से बचन तो

2. हम तारे तो क्या, भेदान से भागे तो नहीं, रोये तो नहीं, धौंछली तो नहीं कौन फिर से

3. खेले तो जरा हम गेने दो, बार-बार कर तुम्ही से खेलना सीखेंगे और एक न एक दिन हमारी जीत होगी, जस्तर होगी।

4. "धन का देवता आत्मा का बलिदान पाये बिना प्रसन्न नहीं होता।"

5. "तु रंगभूमि में भागा है दिवालाणे अपनी भाया।"

6. "सच्चे खिलाड़ी कभी रोते नहीं, बानी पर बानी हारते हैं, चोट पर चोट खाते हैं, धक्के पर धक्के सहते हैं,

7. "बड़े आदमी सब एक होते हैं... तभी तो मेरा आदर कर रहे हैं, जैसे बच्चे की गद्दी काटने से पहले उसको जी भर दाना खिला देते हैं।"

8. "दरिद्रों ने मसालों से मूर्ति के पैर जोड़े और इसे धाड़ा दिया।" लेकिन उस पर किये गये आघात के चिरु अक्षी तक पेंसों पर बने डमरू और मुख भी विप्लव ले गया है।

प्रेमचंद की रचनाएँ

प्रेमचंद की रचनाओं में प्रमुख उपन्यासों का विवरण निम्नलिखित है।

उपन्यास	वर्ष
सुकियां	1919
रंगभूमि	1922
नौकरी	1923
अध्यापक	1924
विधवा	1925
काल	1926
सुकियां	1927
नौकरी	1928
अध्यापक	1929

कहानी

सुकियां का कहानी :- सुकियां का कहानी प्रेमचंद की प्रथम कहानी है। इसमें एक गरीब परिवार की कहानी है। सुकियां का नाम सुकियां है।

उपन्यास

सुकियां का उपन्यास :- सुकियां का उपन्यास प्रेमचंद की प्रथम उपन्यास है। इसमें एक गरीब परिवार की कहानी है। सुकियां का नाम सुकियां है।

मानव-जीवन के स्पष्ट

प्रेमचंद का जन्म - वाराणसी (उत्तर प्रदेश) के विदेहीनामक गांव में एक अल्पव्यय परिवार में हुआ।

प्रेमचंद के उपन्यासों में सुकियां का नाम सुकियां है। इसमें एक गरीब परिवार की कहानी है। सुकियां का नाम सुकियां है।

प्रेमचंद के उपन्यासों में सुकियां का नाम सुकियां है। इसमें एक गरीब परिवार की कहानी है। सुकियां का नाम सुकियां है।

प्रेमचंद के उपन्यासों में सुकियां का नाम सुकियां है। इसमें एक गरीब परिवार की कहानी है। सुकियां का नाम सुकियां है।

उपन्यासकार प्रेमचंद

प्रेमचंद का जन्म - वाराणसी (उत्तर प्रदेश) के विदेहीनामक गांव में एक अल्पव्यय परिवार में हुआ।

प्रेमचंद के उपन्यासों में सुकियां का नाम सुकियां है। इसमें एक गरीब परिवार की कहानी है। सुकियां का नाम सुकियां है।

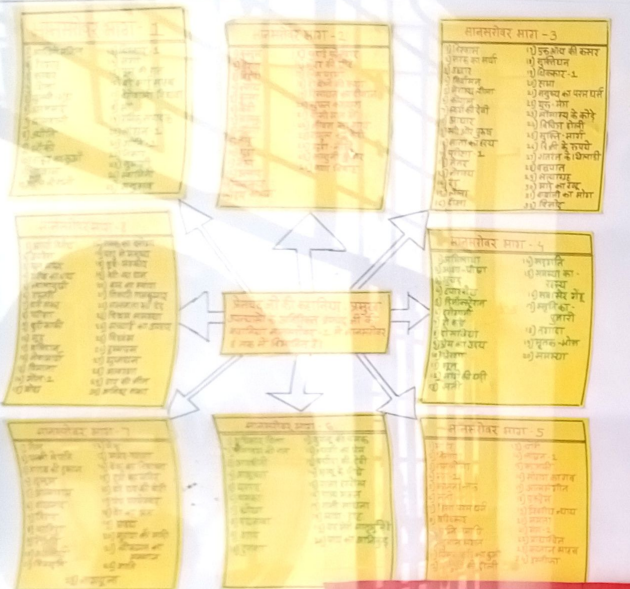
प्रेमचंद के उपन्यासों में सुकियां का नाम सुकियां है। इसमें एक गरीब परिवार की कहानी है। सुकियां का नाम सुकियां है।

प्रेमचंद के उपन्यासों में सुकियां का नाम सुकियां है। इसमें एक गरीब परिवार की कहानी है। सुकियां का नाम सुकियां है।

भित्ति पत्रिका- प्रेमचंद व्यक्ति और कार्य

प्रेमचंद का कथा साहित्य

- 1) प्रेमचंद की रचना
- 2) प्रेमचंद की रचना
- 3) प्रेमचंद की रचना
- 4) प्रेमचंद की रचना
- 5) प्रेमचंद की रचना
- 6) प्रेमचंद की रचना
- 7) प्रेमचंद की रचना
- 8) प्रेमचंद की रचना
- 9) प्रेमचंद की रचना
- 10) प्रेमचंद की रचना

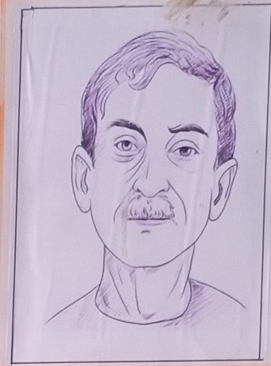


प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 में हुआ था।



प्रेमचंद जयंती :-

प्रेमचंद ने जन्म समय भूमिगत और राजकीय शासकीयता को खोले हुए दिनों में जन्मे थे। वे हिंदी भाषा के एक प्रमुख लेखक और कथाकार थे। उन्होंने 'मानसरोवर' और 'प्रेमचंद की कथा साहित्य' जैसे कई प्रमुख रचनाएँ लिखीं।



धनपतराय श्रीवास्तव (प्रेमचंद)

जन्म :- 31 जुलाई 1880
मृत्यु :- 8 अक्टूबर 1936

विविध कविता
कल्याणपुर (स्वायत्त)

• हिंदी विभाग •

मुंबई प्रान्त की कथा साहित्य

अत्यसम्मान की रक्षा हमारा सबसे पहला धर्म और अधिकार है!

जुवानी आवेशमय होती है, वह क्रोध से आग बन जाती है करुणास पानी की

डॉ. साहित्य नंदकुमार खरारे

प्रेमचंद जीवन परिचय :-

जन्म :- 31 जुलाई 1880 में बनारस जिले के लमही गाँव

कुल वंश :- काथरथ

मूल नाम :- धनपतराय अजबराय श्रीवास्तव

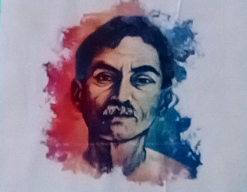
प्रचलित नाम :- नवाबराय प्रेमचंद

प्रेमचंद :- मुंशी निगम द्वारा दिया हुआ नाम

माता :- आनंदी देवी

पिता :- अजबराय

शिक्षा :- 1 प्राथमिक शिक्षा उई जॉर फारसी, घर पर ही।
2 माध्यमिक शिक्षा - क्वींस कॉलेज, बनारस में - मैट्रिक परीक्षा, दिसंबर 1896 में।
3 बी.ए. 1913 में।



प्रेमचंद जयंती

विवार :- 15 वर्ष की आयु में संपन्न

पुनर्विवार :- 1903 में बाल विधवा श्रीमती शिवराणी देवी संतान :- अमृतराय, कुमला देवी, श्रीपतराय।

नोकरी :- छात्र जीवन में ट्यूशन। बाद में 1900 वार्षिक बचपन :- असुविधाओं, अभावों, वेतन पर मिरान स्कूल में कठिनाईयों एवं विपत्तियों युक्त।

परिवार :- दादी, माता-पिता, बन्धुबन्धु।

माना-पिता की छत्र छाया में - आठ वर्ष की आयु में माता का देहान।

पिता का दूसरा विवाह संपन्न हुआ - आठ वर्ष की आयु में।

भित्ति पत्रिका का निरीक्षण करते हुए प्राचार्य डॉ. आर. आर. कुंभार



प्रेमचंद जयंती समारोह भित्ति पत्रिका उद्घाटन

Vision:
"Education for Knowledge, Science and Culture"
"Bhishambharan Dr. Bapuji Salunkhe"

Mission:
To strive hard to realise the vision of Dr. Bapuji Salunkhe, the founder, i.e. to take education to the masses and to mould students into responsible citizens by inculcating a thirst for knowledge and noble values.

